

03/05/2017

पञ्चवर्षी राजस्व लोक अक्षयत केन्द्र
 धीरजी का केन्द्र में प्रस्ताव इसी प्रकार
 मूल्य वाद का अन्तिम रूप से
 निष्पत्ति का पुस्तक है अतः इस
 प्रकरण में इसी रूप का अन्तिम
 समाप्त की जावे है मूल्य वाद
 शेषतः से निरिस्त दुर्भाग्य. अतः पञ्चवर्षी
 फौजदारी केन्द्र केन्द्र से प्राप्त
 है।

क/अक्षय